B.A II-IInd Paper(IVth Semester)
(हिन्दी कथा साहित्य)

(1) चरित्र प्रधान श्रेष्ठ कहानी– गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था'।

(2) ऐतिहासिक कहानियाँ– जयशंकर प्रसाद की 'आकाशदीप','गुण्डा' चतुरसेन शास्त्री की 'सिंहगढ विजय'

(3) सामाजिक कहानियाँ – प्रेमचन्द की कहानी, (बडे घर की बेटी, बूढी काकी, कफन)

(4) मुंशी इंशाउल्ला खाँ ने (1808) में रानी केतकी की कहानी लिखी जो पहली कहानी मानी जाती है किन्तु इसमें पूरे कथातत्व प्राप्त नही हैं।

(5) कथा तत्वों के अनुसार किशोरी लाल गोस्वामी की इन्दुमती से हिन्दी कहानी का आविभवि माना जाता है।

(6) मनोविश्लेषणवादी कथाकार – अज्ञेय, जैनेद्र

(7) अज्ञेय की कहानियाँ –पगोड़ा वृक्ष, मिलन, विपथगा

(8) जैनेन्द्र की कहानियाँ–फाँसी ,जयसंधि

(9) रांगेय राघव स्वाधीनता के बाद देश की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करती कहानियो के लिए प्रसिद्व हैं– बंगाल का अकाल, देश विभाजन, गोली काण्ड आदि

(10) नयी कहानी लेखकों के नाम–धर्मवीर भारती, मोहन राकेश राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर आदि।

(11) फणीश्वरनाथ रेणु आंचलिक कथाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी आंचलिक कहानियाँ निम्न हैं –

रस प्रिया, तीसरी कसम

(12) नयी कहानी आन्दोलन की प्रतिक्रिया में **सचेतन कहानी** का प्रारम्भ **महीप सिंह** के द्वारा माना गया ।

(13) सचेतन कहानी आन्दोलन से हिंमाशु जोशी, मनहर चौहान, सुदर्शन चोपड़ा, योगेश गुप्त आदि जुड़े।

(14) अकहानी का मूल स्वर विरोध और निषेध का है।

(15) कमलेश्वर ने 'सारिका'(1974–75) का संपादन किया और इसी समय से **समान्तर** कहानी का आन्दोलन प्रारम्भ हुआ।

(16) महिला कथाकारों के नाम–ममता कालिया, नासिरा शर्मा,राजी सेठ, मैत्रेयी पुष्पा ।

(17) दलित विमर्श की कहानियाँ व उनके कथाकारों के नाम–ओमप्रकाश वाल्मीकि (पच्चीस चौका डेढ़ सौ) मोहन नौमिशराय (अपना गाँव)

(18) प्रेमचंद ने दो सौ से अधिक कहानियाँ लिखीं जो 'मानसरोवर' में संकलित हैं जो आठ खण्डों में प्रकाशित हैं।

(19) सभ्यता का रहस्य मानसरोवर भाग–4 से लिया गया है।

(20) जयशंकर प्रसाद का कहानी संग्रह–छाया (1912) प्रति ध्वनि (1926) आकाशदीप (1929), आँधी(1931), इन्द्रजाल(1936)

(21) यशपाल के 1940–1976 तक सत्रह कहानी संग्रह प्रकाशित हुए जिनमें 206 कहानियाँ संग्रहीत हैं।

(22) यशपाल के कथा संग्रह –फूलो का कुर्ता, अभिशप्त ,तर्कका तूफान, ज्ञानदान।

(23) कमलेश्वर की कहानी कामरेड (1948) में प्रकाशित हुई

(24) कमलेश्वर की प्रमुख कहानियाँ–राजा निरबंसिया, मांस का दरिया, तलाश।

(25) उषा प्रियंवदा की पहली कहानी 'लाल चुनर'। इनके कहानी संग्रह फिर बसन्त आया, एक कोई दूसरा, मेरी प्रिय कहानियाँ आदि हैं।